प्रकाशन तिथि : 15 फरवरी, 2024
प्रेषण तिथि : 19 फरवरी, 2024

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 27 | अंक 23 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

आप समाज के राजनीतिक प्रतिनिधि, समाज की अपेक्षाओं को पूरा करना आपका दायित्व

(संघशक्ति में राजपूत विधायकों की बैठक व रात्रि भोज संपन्न)

आप सब समाज के राजनीतिक प्रतिनिधि हैं, समाज शासन प्रशासन के कार्यों के लिए आपसे अपेक्षा करता है ऐसे में आपका दायित्व है कि आप समाज की अपेक्षाओं को समझें और उन अपेक्षाओं को पूरा करने में प्रवृत्त होवें। 8 फरवरी को संघ के केन्द्रीय कार्यालय 'संघशक्ति' में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह सरवड़ी ने उपरोक्त बात कही। उन्होंने कहा कि भाजपा से हमारे समाज के 16 विधायक जीते हैं। दो निर्दलीय भी भाजपा की पृष्ठभूमि के हैं लेकिन उसके बावजूद भाजपा ने हमारे मात्र तीन मंत्री बनाये हैं। इससे आम राजपूत में निराशा की भावना है। हमारे अधिकारियों में निराशा का भाव है कि उनकी जानबूझकर उपेक्षा की जा रही है। संघशक्ति में प्रतिदिन लोग अपनी समस्याओं को लेकर आ रहे हैं लेकिन उनको संबंधित तक पहुंचाने का कोई माध्यम नहीं बन पा रहा है। केन्द्र सरकार ने आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया लेकिन उसमें ऐसी अव्यवहारिक शर्तें लगा दीं जिनके कारण राजपूत समाज को इसका कोई लाभ नहीं मिल रहा है, समाज लंबे समय से इन अव्यवहारिक शर्तों को हटाने के लिए प्रयासरत है लेकिन अभी तक केन्द्र सरकार द्वारा इस पर कुछ सकारात्मक नहीं किया गया है, इससे भी समाज में घोर निराशा है। समाज आप सबमें अपना राजनीतिक नेतृत्व देखता है और आपसे अपेक्षा है कि आप सब इन विषयों पर मिलकर एक संगठित शक्ति के रूप में इन विषयों को उठायें। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ सहित 16 विधायक उपस्थित रहे। विधायकों में भाजपा विधायक प्रताप पूरी जी पोकरण, कल्पना राजे जी लाडपुरा, विश्वराज सिंह जी मेवाड़ नाथद्वारा, सुरेन्द्र सिंह राठौड़ कुंभलगढ़, हमीर सिंह भायल सिवाना, छोटू सिंह भाटी जैसलमेर, बाबू सिंह राठौड़ शेरगढ़, देवीसिंह शेखावत बांसुर, वीरेंद्र सिंह कानावत मसूदा, कांग्रेस विधायक समरजीत सिंह भीनमाल, बसपा विधायक मनोज न्यांगली, निर्दलीय विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या व रविन्द्र सिंह भाटी शामिल हुए। इसके अतिरिक्त भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण सिंह बगड़ी उपस्थित रहे। सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने इन विषयों पर अपनी अपनी बात कही, सरकार में समाज की स्थिति पर विचार विमर्श किया। स्वयं की स्थिति के बारे में बताया। साथ ही उपरोक्त विषयों पर क्या क्या किया जा सकता है इस पर चिंतन किया गया। आर्थिक आधार पर आरक्षण में केन्द्र द्वारा सरलीकरण नहीं करने के कारण हो रहे नुकसान के बारे में विस्तार से चर्चा की गई एवं इस बाबत राज्य के मुख्यमंत्री से मिलकर राज्य सरकार द्वारा केन्द्र सरकार को इस बाबत अभिशंसा भिजवाने के लिए प्रयास करने का निर्णय लिया गया। साथ ही देश के प्रधानमंत्री जी से मुख्यमंत्री जी के माध्यम से समय मांग कर इस विषय को उन तक पहुंचाने का भी निर्णय लिया गया।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री सहित अनेकों गणमान्य पहुंचे संघशक्ति

दिल्ली में आयोजित पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी समारोह के तुरंत बाद राज्य के मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री सहित अनेकों राजनेता श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति पहुंचे और माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर और श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी से भेंट की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने 31 जनवरी को संघशक्ति पहुंचकर माननीय संरक्षक श्री से भेंट की। श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी भी इस दौरान उपस्थित रहे। उन्होंने ईडब्ल्यूएस आरक्षण के सरलीकरण हेतु केंद्र सरकार को राज्य सरकार द्वारा लिखित में निवेदन करने का आग्रह किया।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

'राष्ट्रीय गौरव दुर्गराज चित्तौड़गढ़' पुस्तक का विमोचन

वीरेंद्र सिंह तलावदा द्वारा लिखित पुस्तक 'राष्ट्रीय गौरव दुर्गराज चित्तौड़गढ़' का विमोचन 13 फरवरी को श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर एवं श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी द्वारा जयपुर में किया गया। पुस्तक में चित्तौड़गढ़ दुर्ग के संपूर्ण इतिहास का वर्णन है। लेखक ने दुर्ग से जुड़े प्रत्येक पक्ष पर गहन शोध करके चार वर्ष में यह ऐतिहासिक संकलन तैयार किया है। वीरेंद्र सिंह तलावदा श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक हैं।

मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री सहित अनेकों गणमान्य पहुंचे संघशक्ति

(पेज एक से लगातार)

साथ ही मंत्रिमंडल में समाज को उचित प्रतिनिधित्व न मिलने और राजपूत अधिकारियों की उपेक्षा आदि विषयों पर समाज की पीड़ा से मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया। 1 फरवरी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रचारक नींबाराम जी माननीय संरक्षक श्री से शिष्टाचार भेंट करने संघशक्ति पहुंचे। इस अवसर पर श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह सरवड़ी एवं हिंदू जागरण मंच के श्री प्रताप भानु जी भी उपस्थित रहे। 2 फरवरी को फर्स्ट इंडिया चैनल एवं भारत 24 चैनल के हैड श्री जगदीश चंद्र कातिल ने 'संघशक्ति' पहुंचकर माननीय संरक्षक श्री से शिष्टाचार भेंट की और नई दिल्ली में आयोजित जन्म शताब्दी समारोह की बधाई दी, साथ ही 9 फरवरी को दिल्ली में आयोजित हो रहे उनके चैनल के कार्यक्रम में आमंत्रित किया। 5 फरवरी को राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे

माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर से शिष्टाचार भेंट करने केन्द्रीय कार्यालय 'संघशक्ति' पहुंची। पूर्व भाजपा अध्यक्ष अशोक परनामी व सांचोर विधायक जीवाराम चौधरी भी उनके साथ रहे। श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक महावीर सिंह सरवड़ी व श्री क्षत्रिय युवक संघ के संघप्रमुख लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास भी इस मुलाकात के दौरान उपस्थित रहे। 6 फरवरी को राजस्थान के विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और पूर्व राजस्थान भाजपा अध्यक्ष एवं उपनेता प्रतिपक्ष रहे सतीश पूनिया ने भी संघशक्ति पहुंचकर माननीय संरक्षक श्री से शिष्टाचार भेंट की। श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह सरवड़ी भी इस दौरान उपस्थित रहे।

श्री मल्लीनाथ छात्रावास (बाड़मेर) का वार्षिकोत्सव संपन्न

श्री मल्लीनाथ शैक्षणिक संस्थान द्वारा संचालित और बाड़मेर में स्टेशन रोड पर स्थित श्री मल्लीनाथ छात्रावास का वार्षिकोत्सव और कक्षा 12वीं का विदाई समारोह 11 फरवरी को आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि और सीमा सुरक्षा बल में उपमहानिरीक्षक प्रितपाल सिंह भट्टी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज के छात्र ही कल के जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। इसलिए उनमें राष्ट्रीयता और नागरिक भावना का निर्माण आवश्यक है। मल्लीनाथ छात्रावास जैसे अनुशासित संस्थान इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने छात्रों को सेना के माध्यम से देश सेवा के विभिन्न आयामों और उनमें उपलब्ध अवसरों से अवगत करवाया। एस.डबल्यू.एम.एल. के निदेशक अनिल सूद ने छात्रों से कहा कि अनुशासन को जीवन का आधार बनाकर ही प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ा जा सकता है। इसलिए छात्रों में प्रारंभ से ही अनुशासन की भावना भरने के लिए शिक्षकों एवं अभिभावकों को प्रयास करना चाहिए। डॉ. गिरधर सिंह भाटी ताणु रावजी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ श्रम, सेवा और स्वास्थ्य के प्रति भी छात्रों को सजग रहना चाहिए। उन्होंने अपने छात्रावास जीवन के अनुभव बताए और छात्रों को अच्छे मित्रों एवं अच्छे मार्गदर्शकों के निरंतर संपर्क में रहने की बात कही। उन्होंने बालिका शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, खेल एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रावास के प्रतिभावान छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समाज की होनहार छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में छात्रावास के व्यवस्थापक महिपाल सिंह चूली द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। संस्थान के अध्यक्ष रावत त्रिभुवन सिंह बाड़मेर ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया। संस्थान के मंत्री कमल सिंह महेचा द्वारा सभी का स्वागत किया गया। कान सिंह खारा, भरत सिंह सुरा एवं यशपाल सिंह वरिया द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

पिपलाज गढ़ में मनाई वीर गोकुलदास जी की 438वीं जयंती

श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं शक्तावत गोकुलदासोत परिवार पिपलाज के तत्वावधान में राज श्री गोकुलदास की 438वीं जन्म जयंती केकड़ी के पिपलाजगढ़ में समारोह पूर्वक मनाई गई। 10 फरवरी को आयोजित इस कार्यक्रम में पंचायत समिति प्रधान होनहार सिंह राठौड़, श्री राजपूत सभा के अजमेर जिला अध्यक्ष महेन्द्र सिंह ढोस, सेवानिवृत्त आरपीएस जसवंत सिंह डोराई, कर्नल रघुवीर सिंह गोयला, श्री क्षत्रिय सभा अध्यक्ष नरपत सिंह राठौड़ गुलगांव, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह शक्तावत, सावर उपप्रधान प्रभाकिरण सिंह शक्तावत सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भगवान सिंह शक्तावत ने की। श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालियां सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने गोकुलदास की प्रतिकृति के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया। दुर्गासिंह शक्तावत ने गोकुलदास जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। गोपाल सिंह राठौड़ ने सामाजिक व राजनीतिक रूप से सुदृढ़ होने के लिए एक होकर रहने की बात कही। शंकर सिंह गौड़, डूंगरसिंह कादेड़ा, बहादुर सिंह शक्तावत, सत्यनारायण सिंह, समरवीर सिंह शक्तावत, बलवीर सिंह, अभय सिंह, शैलेन्द्र सिंह, अमरपाल सिंह, विशाल सिंह, भगवत सिंह, रविन्द्र सिंह, दिनेश दुगार्पाल सिंह, दशरथ सिंह, जयवर्धन सिंह, ध्रुवराज सिंह, रघुनाथ सिंह, गोविन्द सिंह, हुकुम कंवर, बिन्दुबाला, भंवर कंवर समेत राजपूत समाज के अनेक महिला-पुरुष मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन भूपेन्द्र सिंह शक्तावत ने किया। साथ ही अगले साल का जयंती महोत्सव देवखेड़ी में मनाने की घोषणा भी की गई। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष गोकुलदास जी की जयंती प्रथम बार सावर गढ़ में श्री क्षत्रिय युवक संघ के द्वारा मनाई गई थी। इसके बाद गोकुलदासोत ठिकानों में बारी-बारी से जयंती मनाने का निर्णय लिया गया, उसी कड़ी में इस वर्ष पिपलाज में जयंती मनाई गई।

गोकुलदास जी का परिचयः गोकुलदासोत शक्तावतों के मूल पुरुष गोकुलदास जी महाराणा प्रताप के छोटे भाई शक्ति सिंह जी के पोते थे। उन्होंने सन् 1662 में सावर गढ़ पर विजय प्राप्त की और वहां के राजा बने। महाराजा गोकुलदास जी की ख्याति एक दानवीर राजा के रूप में थी। कहा जाता है कि वो प्रतिदिन 51 बीघा जमीन और गायें गरीबो को दान करने के बाद ही अन्न-जल ग्रहण करते थे। उन्होंने सावर से ढाका (बंगाल) तक अपनी ताकत के बल पर जीते हुए 2700 गाँवो में जमीनें दान की। गोकुलदास जी को 1671 में जहांगीर से लड़ते हुए 81 घाव लगे और इन घावो में से सवा सेर हड्डियां निकली जिनको स्वयं गोकुलदास जी ने गंगा में तर्पण की। अपनी दानवीरता और जुझारूपन के कारण गोकुलदास जी को - 'दूना दातार चौगणा जुझार' की उपाधि मिली और उनके वंशज गोकुलदासोत शक्तावत कहलाए जिनके ठिकाणे सावर, पिपलाज, बिसुन्दनी, चोसला, बदनौर, घटियाली, देवखैडी, देवली, कुचलवाड़ा, रुद, मदारा, बडला, बन का खेडा, बुर्छा (जोधपुर), अभयपुर (कोटा), टाकावास, चांदथली आदि स्थानों पर है।

भाजपा कार्यालयों पर धरना देकर सौंपा प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन

(ईडब्ल्यूएस आरक्षण में सरलीकरण के लिए श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन का अभियान)

बीकानेर

सीकर

केंद्रीय सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण के सरलीकरण और उसमें विद्यमान विसंगतियों को दूर करने के लिए विगत लंबे समय से जारी प्रयासों के क्रम में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा जिला स्तर पर भाजपा कार्यालयों पर धरना देकर माननीय प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने का अभियान 8 फरवरी को प्रारंभ किया गया। प्रथम दिन बीकानेर स्थित भाजपा कार्यालय पर फाउंडेशन के कार्यकताओं और समाजबंधुओ द्वारा धरना दिया गया। धरना स्थल पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए फाउंडेशन के नवीन सिंह तंवर ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण में विद्यमान विसंगतियों के बारे में विस्तार से बताया और उन्हें दूर करने के लिए प्रधानमंत्री तक बात पहुंचाने की मांग की। 8 फरवरी को ही बाड़मेर भाजपा कार्यालय पर धरना दिया गया जहां फाउंडेशन के सदस्य महेंद्र सिंह तारातरा, कांग्रेस नेता आजाद सिंह शिवकर, सवाई सिंह चूली, रतन सिंह उत्तरलाई, प्रवीण सिंह मीठडी, नरेशपाल सिंह तेजमालता आदि अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। धरने के बाद भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप पालीवाल को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। 9 फरवरी को जालौर में समतीपुरा रोड स्थित भाजपा कार्यालय पर भी धरना दिया गया। फाउंडेशन के वीर बहादुर सिंह असाड़ा, जालौर जिला सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष भंवर सिंह थलुंडा, स्वरूप सिंह बिशनगढ़, राजवीर सिंह नोसरा, अशोक टाइगर वराडा, तेज सिंह निंबलाना, गणपत सिंह सराणा सहित अनेको समाजबंधु इस दौरान उपस्थित रहे और जिला भाजपा के पदाधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। इसी दिन सिरोही स्थित भाजपा कार्यालय पर भी समाज के युवाओं द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया जिसमें चंद्रवीर सिंह लुणोल, पाबू सिंह मांडानी, अर्जुन सिंह बारेवड़ा, देवराज सिंह मांडानी, महावीर सिंह जाखोड़ा, शक्ति सिंह मांडानी, वेर सिंह गोदाणा, महिपाल सिंह उंद्रा, सुल्तान सिंह डबानी, गणपत सिंह पादर, महावीर सिंह भटाना सहित अनेकों युवा उपस्थित रहे। 9 फरवरी को ही सीकर स्थित भाजपा कार्यालय पर भी धरना देकर ज्ञापन सौंपा गया। सुरेंद्र सिंह तंवरा, जुगराज सिंह जुलियासर, सजन सिंह चिड़ासरा, रूपेंद्र सिंह बोची, भवानी सिंह जेरठी, ओमपाल सिंह ठिमोली, हिम्मत सिंह बेरी सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की ओर से दो बार ज्ञापन सौंपा गया। 9 फरवरी को मुख्यमंत्री के नागौर दौरे के दौरान जितेंद्र सिंह जोधा और अन्य सहयोगियों ने ज्ञापन सौंपा। 10 फरवरी को मुख्यमंत्री के सिरोही दौरे के दौरान भी उन्हें फाउंडेशन के कार्यकताओं और सहयोगियों द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। 10 फरवरी को चित्तौड़गढ़ स्थित भाजपा कार्यालय पर भी धरना दिया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली ने धरना स्थल पर उपस्थित सैकड़ो समाजबंधुओ को ईडब्ल्यूएस आरक्षण की विसंगतियों के बारे में बताया और उन्हें दूर करने की मांग करते हुए सहयोगियों के साथ मिलकर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन भाजपा पदाधिकारियों को सौंपा। सभी स्थानों पर प्रधानमंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन में ईडब्ल्यूएस आरक्षण में संपत्ति संबंधी शर्तों को हटाने, संबंधित राज्यों द्वारा तय नियमों के अनुसार बने पात्रता प्रमाण पत्र को ही केंद्र के लिए अनुमत करने, अधिकतम आयु सीमा, न्यूनतम अहर्ताक, शुल्क आदि की छूट का प्रावधान करने, परिवार की परिभाषा को सरल बनाने, विवाहित महिलाओं को आ रही समस्याओं का समाधान करने और अन्य आरक्षित वर्गों की तरह ईडब्ल्यूएस वर्ग के विद्यार्थियों के लिए भी छात्रवृत्ति, छात्रावास आदि की सुविधाओं के प्रबंध के साथ ही राष्ट्रीय आर्थिक पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन की मांग भी रखी गई है।

बाड़मेर

सिरोही

नागौर

(श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की वार्षिक बैठक संघशक्ति में संपन्न)

आलोचना और परिणाम की चिंता किए बिना मस्ती से बढ़ते रहें: सरवड़ी

आप लोग युवा और उर्जवान लोग हैं, मस्ती से आगे बढ़ते जाएं। आलोचना या परिणामों की चिंता न करें। अपना कर्त्तव्य समझ कर संघ कार्य करते जाएं। आप अच्छा काम कर रहे हैं पर इस बात से अहंकार भी न आ जाए, इसके प्रति भी सजग रहना है। उपर्युक्त बात वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की वार्षिक बैठक को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि स्वयं सक्रिय होकर ही दूसरों को सक्रिय किया जा सकता है, इसलिए लगातार संपर्क बनाए रखें और जो काम सौंपा जाए, वह करते रहें। श्री क्षत्रिय युवक संघ के अनुषंगिक संगठन श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की वार्षिक बैठक केन्द्रीय कार्यालय 'संघशक्ति' जयपुर में 10 फरवरी को आयोजित हुई जिसमें पूरे प्रदेश से आमंत्रित सदस्य शामिल हुए। बैठक में पिछले वर्ष में हुए कार्यों पर चर्चा हुई और आगामी वर्ष की कार्य योजना भी बनाई गई। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन जिन छः बिंदुओं को लेकर काम कर रहा है, उन पर भी चर्चा हुई और बताया गया कि हम किस प्रकार से अधिकतम लोगों को श्री क्षत्रिय युवक संघ की विचारधारा से परिचित करवा पाएं, इसके लिए हमें प्रयास करने चाहिए। क्षेत्र में लगने वाले शिविरों में भागीदार बनकर संघदर्शन को जीवन में उतारने की भी बात कही गई। फाउंडेशन की टीमें अधिकतम सक्रिय हो सकें, उसके लिए लगातार अपने-अपने क्षेत्र में बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। महीने में दो बैठक आयोजित करने का निर्णय हुआ जिसमें एक बैठक सहयोगियों के साथ और एक बैठक विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत समाजबंधुओ के साथ होगी। पूरे वर्ष की गतिविधियों का कैलेंडर बनाने पर भी चर्चा हुई, साथ ही पिछले वर्ष जो कार्य किए गए, उनको भी समाज के सामने रखे जाने की योजना बनाई गई। ईडब्ल्यूएस सरलीकरण को लेकर जो अभी काम हो रहा है उसको किस प्रकार से गति दी जाए और शेष रहे जिलों में किस प्रकार से धरने और ज्ञापन आदि कार्य करने हैं, उस पर भी चर्चा हुई। अभियान को प्रदेश स्तर पर किस प्रकार आगे ले जाना है, इस पर भी विस्तृत चर्चा हुई। बैठक श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी और श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के समन्वयक रेवंत सिंह पाटोदा के संचालन में संपन्न हुई। बैठक में माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर का भी सान्निध्य सहभागियों को प्राप्त हुआ।

संपादकीय

'आदर्श की ओर बढ़ते हुए निभाएं यथार्थ का दायित्व'

लोकतंत्र एक परिकल्पना के रूप में बहुत सुंदर व्यवस्था है। जनता द्वारा, जनता के लिए, जनता के शासन की लोकतांत्रिक अवधारणा एक सुंदर आदर्श है। लेकिन इस सुंदर परिकल्पना और आदर्श का व्यावहारिक स्वरूप ठीक इसके उलट दिखाई देता है। लोकतंत्र की अवधारणा में जहां जनता केंद्र में है, वहीं उसके व्यावहारिक स्वरूप में सत्ता ही केंद्र में दिखाई पड़ती है। जनसेवा के दावों की आड़ में सत्ता के लिए जोड़-तोड़ ही आज के लोकतंत्र का सार बन कर रह गया है और यह स्थिति केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के अन्य देशों में भी विद्यमान है। लोकतंत्र जैसे सुंदर आदर्श की इस दुखद परिणति का कारण क्या है? इस पर चिंतन करें तो पाएंगे कि किसी भी आदर्श को व्यवहार में उतारने के लिए उपयुक्त आधार की आवश्यकता होती है। जितना महान आदर्श हो, उतने ही श्रेष्ठ आधार की आवश्यकता उसे धारण करने के लिए होती है। लोकतंत्र भी ऐसा ही एक आदर्श है जिसे सच्चे अर्थों में चरितार्थ करने के लिए विवेकशील, सुशिक्षित और सुसंस्कृत व्यक्तियों की आवश्यकता है। लेकिन यह दुर्भाग्य है कि लोकतंत्र को श्रेष्ठ व्यवस्था मानकर अंगीकृत करने वालों के द्वारा लोकतंत्र को व्यावहारिक बनाने की इस अनिवार्य और मूल आवश्यकता को पूरी करने का कोई उपाय नहीं किया गया। इसी का परिणाम है कि लोकतंत्र का व्यावहारिक स्वरूप इतना विकृत हो चुका है कि सत्ता प्राप्ति आज के लोकतंत्र का सबसे बड़ा मूल्य बन चुकी है और इसकी कीमत समाज और राष्ट्र को विखंडन की ओर धकेलकर चुकाने में भी कोई हिचक लोकतांत्रिक सत्ता के दावेदारों को नहीं होती। व्यक्ति का रूपांतरण किए बिना व्यवस्था का कोई भी रूपांतरण शुभ फलदायी नहीं हो सकता। इसलिए व्यक्ति के रूपांतरण की अवहेलना करके लोकतंत्र का आदर्श अपनी निष्फलता की कहानी स्वयं ही लिख रहा है। यह भी विडंबना ही है कि लोकतंत्र के इस विकृत स्वरूप से जो त्रस्त और असंतुष्ट हैं, वे भी अधिकांशतः व्यक्ति को परिवर्तित करने की अपेक्षा व्यवस्था को परिवर्तित करने की ही बात करते दिखाई देते हैं। उनका यह तर्क भी होता है कि व्यवस्था पर नियंत्रण कर-के ही व्यक्ति को भी रूपांतरित किया जा सकता है, सत्ता और संसाधनों पर नियंत्रण करके ही व्यक्ति निर्माण के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करके इस कार्य को सरल बनाया जा सकता है। ये तर्क प्रभावशाली और सत्य भी प्रतीत होता है और अनेक व्यक्ति और संस्थाएं इस तर्क को लेकर कार्य भी कर रहे हैं और बाह्य दृष्टि से वे सफल भी होते हुए दिखाई पड़ सकते हैं। लेकिन ऐसे तर्कों और प्रयत्नों की गहराई में जाएंगे तो पाएंगे कि ये व्यक्ति के रूपांतरण के आवरण में व्यक्ति पर नियंत्रण का कार्य, जाने या अनजाने, कर रहे हैं। इसका कारण है कि उनकी प्राथमिकता का क्रम उससे विपरीत है, जो होना चाहिए। वे व्यवस्था को प्राथमिक और व्यक्ति को द्वितीयक मानते हैं और ऐसा करके वही भूल दोहरा रहे हैं जिस भूल के कारण लोकतंत्र की व्यवस्था विकृति को प्राप्त हो रही है। इसलिए आज सर्वप्रथम आवश्यकता इस सत्य को समझने की है कि व्यक्ति प्राथमिक है और व्यवस्था द्वितीयक। व्यवस्था का सहयोग निश्चित रूप से व्यक्ति निर्माण के कार्य को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराकर सरल कर सकता है लेकिन इसके लिए व्यवस्था को बदलने के प्रयास में व्यक्ति निर्माण के कार्य की अवहेलना करना अपने ही प्रयासों की विफलता को सुनिश्चित करना होगा। व्यक्ति पर नियंत्रण स्थापित करना उसके रूपांतरण का उपाय नहीं है बल्कि उसके हृदय को जीतकर उसे स्वयं विकास के मार्ग पर चलने को प्रेरित करना और चलने में सहयोग देना ही व्यक्ति निर्माण का सही तरीका है। पूज्य श्री तनसिंह जी ने इसी बात को स्पष्ट करते हुए 'साधक की समस्याएं' पुस्तक में लिखा है -₹मनुष्य की बाह्य स्वरूपाकृति और व्यवस्था में परिवर्तन अंतिम परिवर्तन नहीं है, उसके हृदय का परिवर्तन ही संसार की अंतिम क्रांति है।₹ श्री क्षत्रिय युवक संघ अपने प्रणेता द्वारा प्रतिपादित इस सत्य को भली-भांति समझता है और इसीलिए वह व्यक्ति निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर उसी अंतिम क्रांति के आदर्श को चरितार्थ करने की ओर बढ़ रहा है।

लेकिन, उस आदर्श की ओर बढ़ते हुए भी आज के यथार्थ की अनदेखी करने की बात श्री क्षत्रिय युवक संघ नहीं करता क्योंकि आदर्श की ओर बढ़ने के लिए भी चलना तो यथार्थ के धरातल पर ही होता है। व्यक्ति के रूप में भी और समाज के रूप में भी हमें वर्तमान यथार्थ को स्वीकार कर उसका श्रेष्ठतम संभव उपयोग करके ही आगे बढ़ना है। अनेक विकृतियों के उपरांत भी लोकतंत्र की व्यवस्था आज का यथार्थ है और अपने मूल उद्देश्य के सापेक्ष इसके भी यथासंभव सदुपयोग का हमें प्रयत्न करना है। इस सदुपयोग का मार्ग है मतदान। मतदान की शक्ति के द्वारा ही राजनीतिक दलों और उनके द्वारा नियंत्रित सत्ता का अपने उद्देश्य के अनुरूप उपयोग किया जा सकता है। वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था में एकतरफा मतदान की सामर्थ्य रखने वाले समूह ही अपने हितों की पूर्ति के लिए सत्ता पर दबाव बना सकते हैं। ऐसे में हमें भी व्यक्तिगत पसंद-नापसंद, राजनैतिक दलों के प्रति निष्ठा या विरोध से परे जाकर सामाजिक रूप से एकतरफा मतदान की प्रवृत्ति विकसित करनी होगी। साथ ही अपनी बात सत्ताधारियों और राजनैतिक दलों तक पहुंचाने के लिए उपलब्ध संवैधानिक साधनों का अधिकतम उपयोग करना भी आवश्यक है। लोकसभा चुनावों में अभी कुछ समय है लेकिन उससे पूर्व केंद्रीय सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण के सरलीकरण, टिकट वितरण में समुचित प्रतिनिधित्व आदि विषयों पर सरकार और राजनैतिक दलों पर दबाव बनाने के लिए अपनी एकता का संदेश देना आवश्यक है। अपनी न्यायोचित मांगों को पूरी करने के लिए समाज हित में एकतरफा मतदान की क्षमता से ही हम अपने सामाजिक अधिकारों को प्राप्त कर सकेंगे। समाज को सबल बनाना, उसके न्यायोचित अधिकारों को प्राप्त करना और उनकी रक्षा करना भी हमारा दायित्व है और दायित्व बोध का जागरण भी उसी हृदय परिवर्तन की प्रक्रिया का अंग है जिसे पूज्य श्री तनसिंह जी ने अंतिम क्रांति बताया है और जिस आदर्श की ओर हम बढ़ रहे हैं। इसलिए आएं, हम उस आदर्श की ओर बढ़ते हुए वर्तमान यथार्थ के प्रति भी अपने दायित्व को निभाएं और सभी संवैधानिक व लोकतांत्रिक उपायों के साथ समाज के अधिकारों को प्राप्त करने के लिए किए जा रहे सामूहिक प्रयत्नों में सहभागी बनें।

(नव कलम से...)

'पूज्य श्री तनसिंह जन्मशताब्दी का महापर्व'

28 जनवरी 2024 का दिन मेरे लिए एक मंगलमय दिन था। उस दिन मैंने अपनी आंखों से जो नजारा देखा, बस इस नजारे को नजर न लग जाए। जब मैंने अपने लोगों की सोच को एक नए अंदाज में महसूस किया, मेरे अपने 'कौमी पहरूओं' की आश्चर्यजनक एकता देखी तो वास्तव में यह भाव मुझे कायल कर गया। दिल्ली की सोई हुई सड़कों ने उस अनुशासित चाल को महसूस किया होगा, दिल्ली की शोर-शराबे वाली गलियों ने मधुर आवाज में 'जय संघ शक्ति' की आहटें सुनी होगी और महसूस किया होगा कि आज इस उजड़े बाग में कोई चमन खिलने वाला है या जो एक सौ साल पहले खिला था जिसकी आभा आज यहां पहुंची है?

ऐसा नजारा मेरी आंखों ने देखा और शब्द निकला - वाह...! मन भावविभोर हो उठा और उतने में आत्मीय, मर्मस्पर्शी, प्रेमरस भरी करूणा रूपी हृदय से एक मीठी टंकार गूंज उठी - वाह... क्षत्रिय ! सैकड़ों साल पहले जब दिल्ली में केशरिया बाना पहन कर गठीले बदन वाले क्षत्रियों के हजारों लश्कर निकला करते थे तो शायद दिल्ली की सड़कें और गलियां वैसा ही महसूस करती होंगी जैसा आज महसूस किया है। आज मैंने देखा कि क्षत्रिय समाज एक नए अनुशासन और एक नयी सोच को लिए हुए प्रगति के पथ पर तथा भविष्य के स्वप्न को मन में उजागर किए हुए एक लय में आगे की ओर बढ़ रहा है। वहां उपस्थित होकर मैंने युगपुरुष पूज्य श्री तनसिंह जी के आदर्श जीवन को सुना, उनके सिद्धांत सुने, वापस घर आकर के उनके विचारों को गहनता से पढ़ा। मात्र बीस वर्ष की उम्र में ऐसे विचार आना और उसके बारे में चिंता करके उसका चिंतन करना, सभी को साथ लेकर के उनका सहयोग करना, पढ़ाई में हमेशा पहले नंबर पर रहना, मजदूरी करके खुद का और साथियों का खर्चा उठाना, सफल लेखक के रूप में जीवन, सफल राजनीतिज्ञ के रूप में जीवन.. विकट परिस्थितियों के बावजूद भी इतना सब कुछ करना कितना कठिन रहा होगा। वास्तव में मुझे ऐसे विचार चकित कर गए और मेरे मन में बहुत सारे प्रश्न उठने लगे कि क्या मैंने आज तक कुछ किया परिवार के लिए, जरूरत मंदों के लिए, समाज के लिए? इन सबका उत्तर 'ना' में मिला। मन में रुष्टता होने लगी और इस रुष्टता के भाव ने एक सीख दी कि युगपुरुष पूज्य श्री तनसिंह जी के आदर्श जीवन की अगर एक बात भी मेरे जीवन में उतार लूं तो मेरा जीवन धन्य हो जाएगा ... तो मेरा जीवन धन्य हो जाएगा। ऐसी तीव्र पुकार मेरे अंतर मन ने मुझे दी। जन्म शताब्दी समारोह का यह नजारा आंखों ने देखा, मन और मस्तिष्क ने महसूस किया, घर आकर आत्मीय बल ने मुझे जगाने की कोशिश की तो मुझे अनुभव हुआ कि मैं भी इस समाज का अंश हूं। मेरे से और मेरे जैसे अनगिनत लोगो से, सज्जनों से, महापुरुषों से, अनगिनत परिवारों से, समाज का निर्माण होता है और यह समाज हमसे कह रहा है कि - 'आज मैं बहुत खुश हूं, आज मुझे मेरे अपनों का अपनापन देखने को मिला। जिनकी इच्छा एक हो, जिनकी चाहना एक हो, अनेक दिमागों में एक सोच रखने वाले ही समझ सकते हैं कि अपनों का एकमत और संगठित होना क्यूं जरूरी है और कितना फायदेमंद है।' समाज, समाज के लोगों से यह भी कह रहा है कि - 'तुम ताकत हो मेरी, तुम्हारी एकता मेरी खुशी का कारण है। तुम्हारी हंसी मेरे लिए एक किलकारी से कम नहीं। तुम जब हंसते हो तो मुझे मुरझाए हुए बगीचे में खिलते फूल की तरह नजर आते हो। तुम्हारा साथ मेरे लिए चुम्बकीय आकर्षण है। तुम्हारी कड़कती आवाज मेरे लिए गरजते बादलों से कम नहीं। अगर मुझे अपनों से ठीक यूं ही आनंदित, मन को शांति देने वाली, अनुशासित एकता की सौगात मिलती रहेगी तो भविष्य में नजारा और भी अद्भुत होगा। सौगातें तब अच्छी लगती हैं जब अपनों से मिलें और चलता जमाना भी तब अच्छा लगता है जब चलते जमाने में अपने लोग चलते नजर आएं ...।'

जय संघ शक्ति।

'अपना रतन' (रतनसिंह आकोड़ा)

पुष्पेंद्र सिंह खैराबाद की दसवीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन

श्री प्रताप युवा शक्ति द्वारा पुष्पेंद्र सिंह खैराबाद (पुशु बना) की दसवीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में लगातार दसवें विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन 11 फरवरी को महाराणा कुंभा ट्रस्ट, आजाद नगर भीलवाड़ा में किया गया। रक्तदान शिविर का प्रारंभ गजेंद्र सिंह चौकी खेड़ा के निर्देशन में यज्ञ के साथ किया गया। तत्पश्चात डॉ. घनश्याम सिंह झालरा व सामाजिक कार्यकर्ता सुखदेव सिंह गोगामेडी को श्रद्धांजलि दी गई। श्री प्रताप युवा शक्ति के कान सिंह खारडा ने बताया कि रक्तदान शिविर में पूरे दिन युवाओं द्वारा उत्साह के साथ रक्तदान किया गया। रक्तदान में सर्वसमाज के युवाओं, मातृशक्ति के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकत्ताओं ने भाग लिया। रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह के रूप में भगवान श्रीराम की तस्वीर भेंट की गई। शिविर का प्रारंभ सोहन कंवर चुंडावत भाखलिया और उनके पुत्र पीयूष सिंह ने रक्तदान करके किया। श्री प्रताप युवा शक्ति के नागेंद्र सिंह जामोली ने बताया कि शिविर में लगभग दस दंपति जोड़ों ने भी रक्तदान किया। रक्तदाताओं को आशीर्वाद देने के लिए मोहन शरण जी महाराज निंबार्क आश्रम, संत दास जी महाराज, बनवारी शरण जी महाराज, काठियावाड़ी महाराज भी उपस्थित रहे। पार्षद प्रतिनिधि गजेंद्र सिंह अमरगढ़ ने बताया कि इस रक्तदान शिविर में भीलवाड़ा की चार टीम और उदयपुर और जयपुर की कुल सात टीम ने रक्त संग्रहण का कार्य किया और कुल 1105 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। रक्तदान शिविर में 82 युवाओं ने प्रथम बार

रक्तदान किया। शिविर में महाराणा कुम्भा ट्रस्ट के सभी छात्र, श्री राजपूत विकास परिषद, श्री राष्ट्रीय करणी सेना, श्री राजपूत करणी सेना, मेवाड़ क्षत्रिय महासभा सहित सभी संगठनों का योगदान रहा। प्रदेश महामंत्री भाजपा दामोदर अग्रवाल, नगर परिषद सभापति राकेश पाठक, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा लादूलाल तेली, जिला अध्यक्ष भाजपा प्रशांत मेवाड़ा, पूर्व उपसभापति मुकेश शर्मा, आजाद शर्मा, बाबूलाल टांक, प्रधान कृष्णा सिंह, प्रधान प्रतिनिधि चावंड सिह, पूर्व जिला प्रमुख शक्ति सिंह हाडा, कुम्भा ट्रस्ट के अध्यक्ष मणिराज सिंह, सचिव भगवत सिंह खारड़ा, गोविंद सिंह भीलवाड़ा, उम्मेद सिंह पिपरोली, करतार सिंह शेरगढ़, राजकुमार अचलिया, जिला प्रमुख बरजी देवी भील, शक्ति सिंह कालियास, यशपाल सिंह नीमझर, योगेंद्र सिंह रूपाहेली, रणजीत सिंह झालरा सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति इस दौरान उपस्थित रहे।

माननीय संघप्रमुख श्री का बीकानेर प्रवास

श्री क्षत्रिय युवक संघ के संघप्रमुख माननीय लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास 2 फरवरी को बीकानेर के एकदिवसीय प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने संभागीय कार्यालय नारायण निकेतन में स्वयंसेवकों के साथ बैठक की और जन्म शताब्दी समारोह सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की। जन्म शताब्दी समारोह में सहयोग करने वाले समाजबंधुओं के साथ भी एक बैठक रखी गई, जिसमें संघप्रमुख श्री ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए निरंतर साथ चलने की बात कही।

रामचंद्र सिंह झाला बने राज्य मानवाधिकार आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष

राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे जस्टिस रामचंद्र सिंह झाला को राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। चित्तौड़गढ़ जिले की डूंगला तहसील के तलावदा गांव के मूल निवासी रामचंद्र सिंह राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बनने से पूर्व डूंगरपुर, उदयपुर और भीलवाड़ा में भी न्यायाधीश रह चुके हैं। वे राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के एथिक्स ऑफिसर भी रह चुके हैं।

विवाह के अवसर पर शिक्षा नेग की अनूठी पहल

30 जनवरी को जोधपुर के जय भवानी नगर सांगरिया में राजपूत विकास संस्थान बासनी के उपाध्यक्ष व श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक सवाई सिंह कुंपावत बागोरिया की पुत्री दर्शना सिंह का विवाह नरपत सिंह पुत्र गंगा सिंह सोढा निवासी देदूसर (चौहटन) के साथ हुआ जिसमें बारात के स्वागत के समय टीका दस्तुर में रामचरितमानस व पूज्य श्री तनसिंह जी द्वारा रचित श्री क्षत्रिय युवक संघ का साहित्य टीके के रूप में दिया गया। साथ ही समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए वधू पक्ष की ओर से 21000 का शिक्षा नेग दिया गया। इस पहल से प्रेरित होकर वर पक्ष की ओर से भी 21000 राजपूत शिक्षा कोष में भेंट किए गए। राजपूत शिक्षा कोष के सह सचिव श्याम सिंह सजाड़ा ने शिक्षा नेग स्वीकार करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मौजूद शिक्षाविद मयूर नोबल्स एकेडमी के निदेशक रेवत सिंह राणासर कलां ने भी शिक्षा के द्वारा समाज का विकास आज के समय की आवश्यकता बताते हुए अपनी तरफ से शिक्षा कोष में 51000 की राशि भेंट की। सभी ने इस पहल की सराहना की और कहा कि समाज में ऐसे उदाहरणों से ही प्रेरणा लेकर परिवर्तन आएगा। इसी प्रकार 2 फरवरी को पाली जिले के गादेरी निवासी बालू सिंह चौहान की दो पुत्रियों के विवाह के अवसर पर दोनों पक्ष की ओर 5100-5100 रुपए शिक्षा नेग के रूप में भेंट किए गए। राजपूत समाज के आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान छात्रों की शिक्षा व्यवस्था हेतु संचालित संस्था राजपूत शिक्षा कोष ट्रस्ट को यह राशि भेंट की गई। संस्था की ओर से जगपाल सिंह बाला ने शिक्षा कोष के बारे में जानकारी देते हुए विभिन्न आयोजनों के अवसर पर कोष में सहयोग देने का समाजबंधुओं से निवेदन किया गया।

चारुश्री झाझड़ ने उत्तीर्ण की नेट-जेआरएफ परीक्षा

झुंझुनू जिले के झाझड़ गांव की निवासी चारुश्री पुत्री शक्ति सिंह शेखावत ने दिसंबर 2023 में आयोजित यूजीसी नेट जेआरएफ की परीक्षा उत्तीर्ण की है। चारूश्री ने सीनियर सेकेंडरी परीक्षा सीकर की विद्या भारती स्कूल से 93.80% अंक प्राप्त करके उत्तीर्ण की थी। उन्होंने महारानी कॉलेज जयपुर से स्नातक एवं पंडित दीनदयाल विश्वविद्यालय सीकर से स्नातकोत्तर किया है। चारुश्री ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के चार प्रशिक्षण शिविर भी किए हैं।

रतन सिंह लुणु होंगे पुलिस पदक से सम्मानित

गणतंत्र दिवस 2024 के अवसर पर भारत की महामहिम राष्ट्रपति ने सराहनीय सेवाओं के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतन सिंह लुणु को पुलिस पदक से सम्मानित करने की घोषणा की है। रतन सिंह लुणु को यह पदक आगामी स्वतंत्रता दिवस पर माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान द्वारा प्रदान किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि रतन सिंह लुणु 1998 बैच के आरपीएस अधिकारी है और वर्तमान में राज्य विशेष शाखा जयपुर रेंज में जोन अधिकारी के रूप में पदस्थापित है। पुलिस विभाग में अपनी उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के लिए रतन सिंह को इससे पूर्व गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा उत्कृष्ट सेवा पदक, विशिष्ट सेवा पदक और पुलिस महानिदेशक राजस्थान की ओर से डीजीपी डिस्क से भी सम्मानित किया जा चुका है।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

श्री क्षत्रिय युवक संघः क्षात्र धर्म के ध्वजवाहक से समाज के सवाल

(ऐश्वर्या ठाकुर के ब्लॉग तजकिरा में जन्म शताब्दी समारोह से पूर्व 27 जनवरी 2024 को प्रकाशित आलेख से साभार)

अपनी विचाराधारा, संगठन-शक्ति और जन प्रभाव के चलते श्री क्षत्रिय युवक संघ किसी परिचय का मोहताज नहीं है। मुख्यतः राजस्थान और गुजरात राज्यों में इस संगठन का आम क्षत्रिय जनमानस के साथ एक भावनात्मक जुड़ाव भी रहा है, जिसके पीछे श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक पूज्य तनसिंहजी और अनेकों स्वयंसेवकों के वर्षों के अथक प्रयास का योगदान रहा है। इस संगठन की स्थापना और मूल्यों का बखान करते कई आलेख आपको मिलेंगे। लेकिन हाल ही में श्री क्षत्रिय युवक संघ के चर्चा में रहने के कारणों को टटोलते हुए हम मुड़ेंगे कुछ वर्ष पीछे। सन 2021 के दिसंबर में श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने पर जयपुर में हीरक जयंती समारोह आयोजित हुआ जिसमें देश और प्रदेशभर से बड़ी संख्या में राजपूत समाज के लोग शामिल हुए। इस हीरक जयंती समारोह की भव्यता और विशालकाय क्षत्रिय जनसैलाब ने गुलाबी नगरी को केसरिया रंग दिया। इस सामाजिक समारोह में सभी राजनीतिक दलों और विचारधाराओं के अग्रणियों ने शिरकत की। इस सफल आयोजन के बाद मीडिया में हेडलाइन चली : 'आखिर क्या था इस सम्मेलन का उद्देश्य?' और 'राजस्थान में राजपूतों का बिना किसी एजेंडे के भीड़ जुटाने का मतलब'..। 3 लाख से अधिक राजपूतों के एक संगठन के झंडे तले जुटान से राजनैतिक और सामाजिक अटकलें तेज हुईं और इस समारोह के अलग अलग अर्थ निकाले जाने लगे। इस वर्ष 2024 में श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन नई दिल्ली में किया जा रहा है और 2021 की ही तर्ज.पर यह सवाल सोशल मीडिया पर बार बार घुमड़ रहा है कि देश की राजधानी में क्षत्रियों के इतने बड़े समागम का आखिर क्या उद्देश्य है?

क्षत्रियों की भीड़ जुटाने का उद्देश्यः लोकतंत्र में संख्याबल ही शक्ति का द्योतक है। श्री क्षत्रिय युवक संघ ने 2021 और अब 2024 में शक्ति प्रदर्शन कर मुख्यतः दो संदेश दिए। पहला संदेश यह कि राजपूत समुदाय में संघ की लोकप्रियता आज भी बदस्तूर कायम है और दूसरा संदेश राजनीतिक दलों को दिया गया कि राजपूत समुदाय में कौमी एकता मौजूद है और एक झंडे के तले उन्हें साथ लाया जा सकता है। गौरतलब है कि अलग अलग जाति समूहों की जाति संसदों और सम्मेलनों में जहां सार्वजनिक मंच से सामाजिक राजनैतिक मांगें रखी जाती हैं, वहीं श्री क्षत्रिय युवक संघ दूरगामी प्रभाव में विश्वास रखता है और क्षणिक मांगों और छोटे उद्देश्यों से ऊपर उठकर बड़े लक्ष्य की ओर केंद्रित रहता है। इन उद्देश्यों में से एक यह भी है कि ऐसे आयोजनों से समाज में क्षत्रिय की छवि सुधारी जाए। श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक महेंद्र सिंह तारातरा का कहना है, ₹राजपूत कौम सदैव अनुशासित रही है, दुनिया उसे ऐसे ही देखना पसंद करती है। सधा हुआ राजपूत, न्यायप्रिय राजपूत। जिसके चलने से वातावरण भयमुक्त हो, वैसा राजपूत। ऐसे राजपूत के लिए संसार आज भी पलक पावड़े बिछाकर तैयार खड़ा है। हम कितने बन पाते हैं, यह हम पर है।₹ पंक्तिबद्ध बाइक रैली हो या जयपुर का हीरक जयंती समारोह, संघ के झंडे तले जमा हुए इन क्षत्रियों के अनुशासन ने समाज में एक उम्दा मिसाल खड़ी की है। 2024 में होने जा रहे जन्मशताब्दी समारोह में भी संघ का यही इसरार है कि हमारा एकत्र होना किसी को भयभीत या तंग करने के लिए नहीं बल्कि आश्वस्त करने के लिए है। ऐसे आदर्श क्षत्रिय समाज को दुनिया देखे, इन समागमों की यही मुख्य भूमिका रही है।

संघ, संस्कार और सामाजिक सरोकारः क्षत्रिय युवाओं में सोशल मीडिया के मार्फत जागे जातिबोध और बौद्धिक चेतना का एक यह भी परिणाम है कि सब अलग-अलग सामाजिक, राजनैतिक मुद्दों पर अपनी आवाज उठाने लगे हैं और अपनी नाराजगी या समर्थन खुलकर सामने रखने लगे हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ को लेकर अकसर यह सवाल बार-बार दागा जाता है कि क्या श्री क्षत्रिय युवक संघ युवाओं को सिर्फ ऐसा साधक बनाता है जो व्यवहारिकता से पृथक रहकर सिर्फ.त्याग और चरित्र निर्माण पर केंद्रित रहे?

इस पर संघ का स्पष्ट मत यह है कि उनका मुख्य कार्य राजपूत युवाओं को क्षत्रिय के गुणों का प्रशिक्षण देना है जिसके लिए चुना गया मार्ग है - 'सामूहिक संस्कारमयी मनोवैज्ञानिक कर्मप्रणाली'। परंपरा और संस्कार का समावेश कर युवाओं को क्षात्र धर्म में दीक्षित करना जिस सामाजिक संगठन का उद्देश्य हो, वह दूरगामी परिणामों पर केंद्रित रहता है। यह संस्कार निर्माण कोई पंचवर्षीय योजना नहीं है, इसीलिए समाज चरित्र की गहरी समझ विकसित करना और अनुशासन व सामूहिकता में रहते हुए कौम के हित में काम करना एक ऐसी धैर्यशील प्रक्रिया है, जिसे साधक बनकर ही अंजाम दिया जा सकता है। संघ स्वयंसेवकों में आध्यात्मिक प्रवृत्ति के प्रति रुझान को सकारात्मक नजर से देखना चाहिए क्योंकि इनके तप, त्याग और शील स्वभाव से क्षत्रियों की एक विरल छवि उभरती है, जो आक्रामक न होते हुए विनम्र है; जो जयकारे ना लगाकर सहगीत गाता है; जो श्रेष्ठताबोध से तना हुआ ना होकर समाजहित के लिए नतमस्तक है। जो अपने हित की ही नहीं बल्कि प्राणी मात्र के कल्याण की बात सोचता है। संघ की विचारधारा और कार्यशैली एक आम राजपूत को सिखाती है कि हमें नींव का पत्थर बनना है, कंगूरे नहीं।

संघ और व्यक्ति पूजाः समाज के युवाओं को संस्कार देने के उद्देश्य से पूज्य तनसिंह जी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की जो उनके देह छोड़ने के 45 वर्ष बाद भी एक सक्रिय संस्था के तौर पर काम कर रही है। वे बाड़मेर नगर पालिका के पहले अध्यक्ष रहे, फिर 1952 के आमचुनावों में मात्र 28 वर्ष की आयु में बाड़मेर से राजस्थान की प्रथम विधानसभा के लिए विधायक चुने गए। उस विधानसभा में कुछ समय के लिए संयुक्त विपक्ष के नेता भी रहे। 1957 में पुनः विधायक चुने गए। 1962 में बाड़मेर-जैसलमेर जैसे संसार के सबसे बडे.निर्वाचन क्षेत्र से मात्र 9000 रु. खर्च कर सांसद निर्वाचित हुए। 1967 का चुनाव हार गए तब स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ किया एवं साथ ही अपने अनेक साथियों को रोजगार उपलब्ध करवाया। 1977 में पुनः सांसद चुने गए एवं 1979 की 7 दिसंबर को आपकी लौकिक देह का देहावसान हो गया। सीमित साधनों और कठिन परिस्थितियों से जूझते हुए तनसिंह जी जैसे व्यक्तित्व का आगे बढ़ना और अपने समाज के हितों के लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ जैसे संगठन की स्थापना करना उनके जुझारूपन और दायित्वबोध का परिचय देता है। पूज्य तनसिंहजी के नाम से और ताब से आज भी श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवकों पर फूल बरसते हैं, इस संगठन की इज्जत घर-घर और सुदूर गांव-ढाणी तक है। ऐसे में कुछ लोग यह आपत्ति जताते हैं कि श्री क्षत्रिय युवक संघ आज मात्र व्यक्ति-पूजा तक क्यों सिमट गया है?

इसका जवाब ढूंढने दूर जाने की आवश्यकता नहीं है। संघ की स्थापना से लेकर इसकी कार्यप्रणाली और फलसफा विकसित करने में तनसिंह जी की अग्रणी भूमिका रही है। आज अगर वे अपने कार्यों के चलते 'cult figure' बन गए हैं, तो यह स्वाभाविक भी है। महात्मा बुद्ध, बाबा साहेब अंबेडकर, रबींद्र दोनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानन्द, मीरा बाई, महाराणा प्रताप जैसे कितने ही महानुभाव हुए, जिनकी न सिर्फ.उपलब्धियों को याद किया जाता है बल्कि जिनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए उनके शहर, घर और सामान तक को मंदिर की तरह पूजा जाता है। रवींद्रनाथ टैगोर की कलकत्ता स्थित जन्मस्थली जोरासंको में दर्शनार्थी एक मंदिर की तरह अपने जूते चप्पल उतार कर जाते हैं। मीरा बाई के मेड़ता स्थित मंदिर में भी उन्हें एक cult figure की तरह पूजा जाता है। साबरमती आश्रम में गांधी के अनुयायी उन्हें एक महात्मा की तरह याद करने आते हैं। अंबेडकर के घर को संग्रहालय बनाया गया है जिसमें उनके स्टडी टेबल और चश्मे आदि को संजोकर रखा गया है। महापुरुषों के प्रेरणादयी जीवन को मुड़कर देखना, उसका अनुसरण करना और उन्हें मूर्त रूप देकर पूजना तक हमारे संस्कारों में सम्मान देने का एक सामान्य तरीका है। ऐसे में पूज्य तनसिंहजी के मूल्यों और उनकी विचारधारा का अनुसरण करना भी कोई अपवाद नहीं है। ऐसे में उनका लाखों लोगों के लिए cult figure हो जाना भी स्वाभाविक है; जबकि उन्होंने खुद सिर्फ.समाज हित के लिए चिंतन पर जोर दिया, निज से निर्लिप्त रहते हुए। हालांकि तनसिंहजी का दिया हुआ मूलमंत्र आज भी यह कहता है : 'हम समाज के सेवक हैं, शिक्षक नहीं।'

पुरुष-प्रधान संगठन पर सवालः प्रथम दृष्टया ऐसा भान होता है कि श्री क्षत्रिय युवक संघ जैसा संगठन केवल युवकों/पुरुषों को केंद्र में रखकर बनाया गया होगा। नाम, संगठन और मीडिया में भी पुरुषों का बोलबाला अधिक होने से इस संस्था में महिलाओं की मौजूदगी और आवाज नदारद ही लगती है। जबकि पूज्य तनसिंहजी की दूरदर्शिता और रोशनख्याली का ही परिणाम है कि संघ में महिलाओं को भी उतनी ही तरजीह देने का काम किया गया, जितना पुरुषों को। गौरतलब है कि संघ में अलग से महिला विभाग कार्यरत है जो महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए भी संघ के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है। पूरे परिवार के लिए पारिवारिक शिविर एवं दंपति शिविर भी आयोजित होते हैं। इन सब में बालिकाओं एवं महिलाओं में आदर्श क्षत्राणी बनने के लिए अपेक्षित विशेषताओं का अभ्यास करवाया जाता है। संघ में बालिका शिविर अप्रेल 1995 से शुरू हुए। पहला बालिका शिविर 14 अप्रेल से 17 अप्रेल 1995 तक धन्धुका (गुजरात) में हुआ। राजस्थान में पहला बालिका शिविर 4 जून से 7 जून 1995 तक 'संघशक्ति' जयपुर में हुआ। इसके अलावा संघ से जुड़े लोगों में सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लड़ने की अलख भी जगाई गई जिसके परिणामस्वरूप दहेज, शराब, बाल विवाह, छुआछूत जैसी कुरीतियों को त्याग क्षत्रिय समाज आज आगे बढ़ने के प्रयास कर रहा है।

संघ और राजनैतिक अस्पष्टताः आज युवाओं की श्री क्षत्रिय युवक संघ से यह शिकायत रहती है कि राजनैतिक रूप से संघ अपना मत जाहिर नहीं करता और अपने काडर और संगठन की ऊर्जा से राजनैतिक हित साधने में सक्रियता नहीं दिखाता। राजनैतिक पक्ष पर नरमपंथी होने का आक्षेप भी श्री क्षत्रिय युवक संघ पर लगाया जाता है और ऐसी सुगबुगाहट भी सुनने को मिलती है कि परोक्ष रूप से एक वैचारिक गर्भनाल संघ और आरएसएस को जोड़े हुए है। संघ की राजनैतिक संबंधन पर स्पष्ट राय यही रही है कि संघ प्रत्यक्ष रुप से राजनीति में भाग नहीं लेता लेकिन संघ के संपर्क वाले श्रेष्ठ लोग राजनीति में सक्रिय हों ऐसी सदिच्छा से व्यक्तिगत स्तर पर श्रेष्ठ लोगों का सहयोग करने का निर्देश अपने स्वयंसेवकों को देता है। संघ किसी राजनीतिक दल के सापेक्ष नहीं है बल्कि समाज सापेक्ष है। इसलिए समाज के लिए श्रेष्ठ कार्य करने वाले हर व्यक्ति का समर्थन करता है, चाहे वह किसी भी राजनीतिक दल में हो। संघ की दृढ़ मान्यता यह भी है कि वह संपूर्ण समाज के लिए कोई निर्देश जारी करने के लिए अधिकृत नहीं हैं, इसीलिए कभी किसी पार्टी विशेष के लिए समाज में प्रचार प्रसार या निर्देश जारी नहीं करता जैसे अन्य सामाजिक संगठनों के मठाधीश करते पाए जाते हैं। जहां तक रही आरएसएस से जुड़ाव की बात तो यह सर्वविदित है कि संघ संस्थापक पूज्य तनसिंहजी का अपने नागपुर प्रवास के दौरान अल्प जुड़ाव आरएसएस से हुआ, जिसकी कार्यशैली की कुछ छाप उन्होंने अपने संगठन श्री क्षत्रिय युवक संघ में भी अपनाई। श्री क्षत्रिय युवक संघ की कार्यशैली में आरएसएस की तरह ही शाखाएं और शिविर लगते हैं, Regime»ftÔtio»f मिलता है। आईटीसी और ओटीसी प्रशिक्षण शिविर भी होते हैं। संस्कार और समाज हित की चर्चा होती है। मगर देखा जाए तो संघ को आप आर्य समाज और गांधीवादी विचारों के आसपास ज्यादा पाते हैं। लोकतांत्रिक तरीके से काम करना, पत्राचार के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत करना और आडंबरों और सांप्रदायिकता से दूरी बनाए रखना ऐसे लक्षण हैं, जो संघ को आरएसएस जैसे संगठन से पृथक बनाते हैं। प्रत्यक्ष तौर पर भी संघ से दीक्षित युवाओं ने अपना राजनैतिक झुकाव स्वयं निर्धारित किया है, जिसके चलते कई पूर्व स्वयंसेवक अलग अलग दलों का हिस्सा बने हैं। तो जाहिर है कि संघ का जुड़ाव या झुकाव किसी राजनैतिक दल विशेष की तरफ नहीं रहा है।

उपसंहारः आज श्री क्षत्रिय युवक संघ जब देश की राजधानी दिल्ली में पूज्य तनसिंह जी का जन्म शताब्दी समारोह मनाने जा रहा है, ऐसे में गांव-कूचे और सुदूर राज्यों से इस महाकुंभ में जुड़ने के लिए पधार रही जनता का उत्साह इस बात का प्रमाण देता है कि संघ ने अपनी कार्यशैली से समाज में ऐसा विशिष्ट स्थान अर्जित किया है, जिसके एक आह्वान पर केसरिया सैलाब राजधानी तक उमड़ सकता है। एक सामाजिक संगठन की इस जनशक्ति को देश-दुनिया बड़ी उम्मीदों से देख रही है और सीधे रास्ते पर चलते हुए यह संगठन क्षात्र धर्म की मशाल थामे सही दिशा में चल रहा है। संवाद और सेवा से इस संगठन को सींचने का काम अब युवाओं के ही जिम्मे है।

सताणा (विराटनगर) में समारोहपूर्वक मनाई उग्रसेन जी की जयंती

उग्रसेन शेखावत शाखा के प्रवर्तक उग्रसेन जी की 449वीं जयंती नायला के राजा व महान संत राम सिंह जी नायला की तपोस्थली सताणा (मैड, विराटनगर, कोटपुतली) में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। 10 फरवरी को आयोजित यह कार्यक्रम संत श्री रशिक सरण जी महाराज चला (सीकर) के सान्निध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद गोपाल सिंह जी ईडवा ने राजपूत समाज को निराशा के भाव से दूर रहकर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने पर जोर दिया व राजनीति तथा प्रशासन में मजबूती के साथ अपना प्रतिनिधित्व बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठित समाज ही शक्तिशाली होता है इसलिए समाज में एकता होना आवश्यक है। इसके लिए हम सब को मिलकर प्रयास करने होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह शाहपुरा ने महापुरुषों से प्रेरणा लेकर उनके बताए हुए मार्ग पर चलने व क्षत्रिय धर्म के विशिष्ट गुणों को आत्मसात कर चरित्र के बल पर राष्ट्र में अपनी पहचान कायम रखने की बात कही। युवाम संचालक मानसिंह ने युवा पीढ़ी को एक लक्ष्य निश्चित कर तैयारी करने व आने वाले समय में तकनीकी शिक्षा में अधिक अवसर होने की बात कही। कार्यक्रम को गोवर्धन सिंह दिवराला, रघुवीर सिंह राठौड़, सुरेंद्र सिंह नाथावत, सरजीत सिंह नरूका, संपत सिंह शेखावत, दिलीप सिंह शेखावत व हरि सिंह शेखावत ने भी संबोधित किया। सभी ने उग्रसेन जी जैसे महान पूर्वजों से प्रेरणा लेने और उनकी भांति क्षात्रधर्म पालन के मार्ग पर चलने की बात कही। अंत में शेखावत उग्रसेन समिति के अध्यक्ष करण सिंह सांदरसर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन कर्मवीर सिंह शेखावत ने किया।

पराक्रम सिंह राठौड़ बने यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

राजस्थान विधानसभा के निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ के पुत्र

पराक्रम सिंह राठौड़ को यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुना गया है। 11 फरवरी को नई दिल्ली में हुए एसोसिएशन के चुनावों में उन्होंने 130 में 118 वोट हासिल किए। वे इससे पूर्व एसोसिएशन की राजस्थान इकाई के प्रदेशाध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे थे। श्री पराक्रम सिंह श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा संचालित क्षत्रिय इकोनोमिक फोरम की केन्द्रीय टीम के सदस्य हैं।

चित्रा सिंह जसोल का निधन, बाड़मेर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

स्वर्गीय चित्रा सिंह जसोल को बाड़मेर स्थित श्री रानी रूपादे संस्थान में 9 फरवरी को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बाड़मेर जिले के लोगो द्वारा श्रद्धांजलि दी गई। भारत सरकार में वित्त, विदेश और रक्षा मंत्री जैसे पदों पर रहने वाले जसवंत सिंह जसोल की पुत्र वधु और बाड़मेर जैसलमेर के पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह जसोल की धर्मपत्नी चित्रा सिंह का निधन एक सड़क दुर्घटना में 30 जनवरी को हो गया था। चित्रा सिंह के व्यक्तित्व को स्मरण करते हुए और उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए सभी ने कहा कि उनका व्यक्तित्व सभी के लिए प्रेरणादायक था। उनके संपर्क में आने वाले सभी को उनका मातृत्व पूर्ण स्नेह सदा मिलता रहा। देश के नामचीन संस्थानों से शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी वो अपने क्षेत्र में यहां की स्थानीय भाषा ही बोलती थी। महान परंपरा के वाहक के रूप में उनका पहनावा भी सभी के लिए मिसाल था। उनकी सरलता और मजबूत संकल्प के कारण क्षेत्र की जनता के साथ उनका गहरा जुड़ाव बन गया था। उनका असमय निधन उनके परिवार और समाज के साथ ही पूरे मारवाड़ क्षेत्र के लिए बड़ी क्षति है।

(पृष्ठ एक का शेष)

आप समाज... चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने इस बाबत मुख्यमंत्री जी से बात कर अवगत करवाने की जिम्मेदारी ली। बैठक में लोकसभा चुनावों को लेकर भी चर्चा की गई एवं लोकसभा में समाज का प्रतिनिधित्व कैसे बढ़े इस बाबत भी प्रयास करने की आवश्यकता जताई। समाज के लोगों की शासन संबंधी समस्याओं के समाधान बाबत भी कोई व्यवस्था बनाने के लिए मुख्यमंत्री स्तर पर बात करने का निर्णय किया गया। बैठक के बाद सभी ने सामूहिक रूप से भोजन ग्रहण किया एवं इस दौरान भी अनौपचारिक रूप से समाज के विषयों पर चर्चा की। सभी ने इस बात की सहमति जताई कि हर बार विधानसभा सत्र के दौरान इस प्रकार मिलकर समाज के विषयों पर सामूहिक चिंतन किया जाना चाहिए।

लोचन सिंह पठानिया बने नौसेना वाइस एडमिरल

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के शाहपुर निवासी लोचन सिंह

पठानिया भारतीय नौसेना में वाइस एडमिरल नियुक्त हुए हैं। उन्होंने भारत सरकार के मुख्य जल संरक्षक (चीफ हाइड्रोग्राफर) के रूप में 1 फरवरी 2024 को अपना कार्य भार संभाला। इससे पूर्व वे नेशनल हाइड्रोग्राफिक ऑफिस देहरादून में रीयर एडमिरल के पद पर सेवाएं दे रहे थे। पठानिया 1990 में भारतीय नौसेना की एग्जीक्यूटिव ब्रांच में कमीशन हुए थे। नौसेना अकादमी से स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद इंटरनेशनल मैरीटाइम अकादमी ट्राइस्ले (इटली) से, डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन से और कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट सिकंदराबाद से कोर्स किया। इन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय से रक्षा और सामरिक अध्ययन में स्नातकोत्तर की डिग्री भी प्राप्त की। पठानिया को समुद्री परिसीमन से सम्बन्धत अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानूनों की विशेषज्ञता भी हासिल है। वे नौ सेना के जल सर्वेक्षण जहाज आईएनएस 'दर्शक' और 'संधायक' को भी कमांड कर चुके हैं।

शरत चौहान बने पुडुचेरी के मुख्य सचिव

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शरत चौहान को केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी का

नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। वे एजीएमयूटी कैडर के 1994 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और अरुणाचल प्रदेश में प्रधान आयुक्त के रूप में सेवाएं दे रहे थे। वे दिल्ली में निदेशक (अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य और सहयोग, चिकित्सा शिक्षा, प्रजनन और बाल स्वास्थ्य) एवं गोवा के मुख्यमंत्री के मुख्य सचिव के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं। उनकी नियुक्ति की घोषणा 29 जनवरी को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश के माध्यम से की गई। डॉ. चौहान के पास एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज, बेरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा से एमबीबीएस की डिग्री और यूके के ससेक्स विश्वविद्यालय से गवर्नेंस एंड डेवलपमेंट में मास्टर डिग्री है। वे गांव काँटी, तहसील अटेली, जिला महेंद्रगढ़ (हरियाणा) के मूल निवासी है और इनके पिता दगपाल सिंह चौहान ओडिशा के डीजीपी रह चुके हैं।

मधु शेखावत की अखिल भारतीय स्तर पर 10वीं रैंक

राजस्थान की झुंझुनू जिले की सूरजगढ़ तहसील के चौराडी गांव की मूल निवासी मधु शेखावत पुत्री चैन सिंह शेखावत ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया में ग्रेड बी डीएसआईएम परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 10वां स्थान प्राप्त किया है। वे आरबीआई में प्रबंधक के पद पर नियुक्त होंगी और उनका वार्षिक पैकेज 32 लाख रुपए होगा।

भूपेंद्र सिंह हैमर बॉल एसो. के प्रदेशाध्यक्ष मनोनीत

जैसलमेर के सांकड़ा गांव के निवासी शारीरिक शिक्षक भूपेंद्र सिंह को हैमर बॉल

एसोसिएशन का राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार श्रीवास्तव ने प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए उन्हें इस दायित्व के लिए चुना। भूपेंद्र सिंह इससे पूर्व जय नारायण विश्वविद्यालय में एकेडमिक काउंसिल मेंबर और शारीरिक शिक्षा विभाग छात्रसंघ अध्यक्ष का दायित्व निभा चुके हैं। वे राष्ट्रीय स्तर की कई खेल प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा ले चुके हैं।

चैतन्य सिंह का कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में चयन

जयपुर में अध्ययनरत बारहवीं कक्षा के छात्र सत्रह वर्षीय चैतन्य सिंह का चयन एमबीबीएस कोर्स के लिए अमेरिका की कैंब्रिज यूनिवर्सिटी

में हुआ है। भारत से ये इस वर्ष के अकेले छात्र हैं जिनका प्रथम प्रयास में यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज में चयन हुआ है। कैम्ब्रिज विश्विद्यालय मेडिकल क्षेत्र में विश्व का सर्वश्रेष्ठ विश्विद्यालय है। चैतन्य का चयन छह वर्षीय कोर्स के लिए हुआ है और वह यहाँ से एमबीबीएस के साथ ही अपनी पसंद के विषय में पीएचडी भी कर सकते हैं। इस कोर्स में चयन दसवीं कक्षा के मार्क्स और बायोमेडिकल एडमिशन टेस्ट (बीमैट) के अंको के आधार पर होता है, साथ ही दो दिन का साक्षात्कार भी होता है जो मेडिकल कॉलेज के सीनियर प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष द्वारा लिया जाता है। चैतन्य के दसवीं में 98% अंक आये थे। उत्तर भारत के वह पहले छात्र हैं जिन्हें कक्षरए बोर्ड के इतिहास में पहली बार ग्यारह ए स्टार मिले हैं। उनके माता-पिता भी पेशे से चिकित्सक हैं।

सवाई सिंह आराबा का देहावसान

श्री क्षत्रिय युवक संघ के वयोवृद्ध स्वयंसेवक **सवाई सिंह जी आराबा** का देहावसान 9 फरवरी को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है और शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है। 16 से 28 मई 1966 तक आयोजित देवन्दी उच्च प्रशिक्षण शिविर सवाई सिंह जी प्रथम शिविर था।

सवाई सिंह जी

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

भगवान सिंह रावलगढ़ (बेलवा)

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक
व हम सबके सहयोगी

भगवान सिंह रावलगढ़ (बेलवा)

के तृतीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा में

जोधपुर जिले में चौथा

एवं

राज्य स्तर पर 62वां

स्थान प्राप्त कर चयनित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

शुभेच्छु

चन्द्रवीर सिंह देणोक	गेन सिंह चांदनी	सांवत सिंह ऊंचाईडा	भैरू सिंह बेलवा
दिलीप सिंह गड़ा	नाथूसिंह बालेसर सत्ता	भरतपाल सिंह दासपा	रूपसिंह परेऊ
लूणकरणसिंह तेना	भीखसिंह सेतरावा	प्रेम सिंह परेऊ	नरपत सिंह रामदेरिया
नखत सिंह बेदू	भोमसिंह लवारन	लक्ष्मण सिंह गुड़ानाल	प्रद्युम्न सिंह रणधा
मोड़ सिंह भेड़	मदन सिंह आसकंद्रा	रघुवीर सिंह बेलवा	पदम सिंह ओसियां

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org